मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ और भारत में ईरान के राजदूत महामहिम डॉ. इराज इलाही द्वारा जामिया में ईरानोलॉजी हॉल का उद्घाटन

नई दिल्ली, 30 मई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ और भारत में ईरान के राजदूत महामहिम डॉ. इराज इलाही द्वारा कल जेएमआई के मोहिबुल हसन ब्लॉक में नये पुनर्निर्मित ईरानोलॉजी हॉल का उद्घाटन जेएमआई और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, नई दिल्ली के कल्चर हाउस के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान में एक नया अध्याय जोड़ गया, जोकि हॉल के नवीनीकरण के रूप में दिखा। जेएमआई के फारसी विभाग ने बहुप्रतीक्षित उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, जिसमें इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, नई दिल्ली के कल्चरल हाउस के सांस्कृतिक परामर्शदाता डॉ. फरीदुद्दीन फरीद असर की भी गरिमामयी उपस्थिति रही; जेएमआई के कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो. अबुजर खैरी, जेएमआई के मानविकी एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. इक्तेदार मोहम्मद खान, जेएमआई की विदेशी छात्र सलाहकार प्रो. साइमा सईद, अन्य आमंत्रित अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

उद्घाटन समारोह में छात्र, पीएचडी विद्वान, फारसी भाषा विशेषज्ञ, विभागाध्यक्ष और डीन शामिल हुए और हॉल का दौरा किया, जिसे ईरानी कलाकृतियों, दीवार प्रदर्शनों, चित्रों और ईरान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक तथ्यों पर प्रदर्शन पोस्टरों से सजाया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. यासिर अब्बास द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई। जेएमआई के संकाय सदस्य डॉ. मोहसिन अली ने कार्यक्रम का संचालन किया और वक्ताओं का परिचय कराया। अपने स्वागत सम्बोधन में प्रो. इक्तेदार मोहम्मद खान ने अपने देश की भाषा, इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने में ईरानी दूतावास के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि भारत-ईरानी संबंध प्राचीन काल से हैं और पूरे इतिहास में सौहार्दपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी दूतावास ने अतीत में हमेशा जामिया को उदारतापूर्वक दान दिया है और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी यह जारी रहेगा।

जेएमआई के कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो. खैरी ने भारत-ईरान संबंधों के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के कल्चर हाउस द्वारा किए गए जीर्णोद्धार कार्य भारत-ईरान संबंधों और जेएमआई में इसके अध्ययन को बहुत महत्व और अर्थ प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, "हमारे कुलपति प्रो. आसिफ़ के नेतृत्व में ईरान के साथ हमारे संबंध और फारसी की शिक्षा को और मजबूत किया गया है।"

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के कल्चर हाउस के सांस्कृतिक परामर्शदाता डॉ. फरीदुद्दीन फरीद असर ने जीर्णोद्धार परियोजना का अवलोकन किया, जिसमें ईरानोलॉजी हॉल में किए गए सुधारों का विवरण दिया गया। इसमें ईरान की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और कला विरासत को प्रदर्शित करते हुए हॉल को ईरान की पेंटिंग, सुलेख और हस्तशिल्प से सजाना शामिल था। उन्होंने जीर्णोद्धार परियोजना के दौरान उनके अटूट समर्थन के लिए जेएमआई के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

भारत में ईरान के राजदूत महामहिम इराज इलाही ने भारत और ईरान के बीच समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के बारे में वाक्पटुता से बात की, तथा अंतर-सांस्कृतिक समझ और संवाद को बढ़ावा देने में ईरानी अध्ययनों की स्थायी प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने ईरानोलॉजी हॉल के जीर्णोद्धार में जेएमआई के सकारात्मक दृष्टिकोण, समर्थन और रुचि की सराहना की, तथा इसे अकादमिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना।

अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय कुलपति प्रो. आसिफ़ ने विविध शैक्षणिक विषयों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और वैश्विक सभ्यताओं को समझने में ईरानोलॉजी के महत्व पर जोर दिया। हॉल जीर्णोद्धार परियोजना के लिए उनके उदार योगदान के लिए ईरान कल्चरल हाउस को धन्यवाद देने के अलावा, प्रो. आसिफ़ ने उम्मीद जताई कि जेएमआई में पढ़ाई जाने वाली प्रत्येक विदेशी भाषा के लिए एक समर्पित स्थान स्थापित करने की इसी तरह की पहल की जाएगी। प्रो. आसिफ़ ने कहा कि आज जिस तरह के हॉल का उद्घाटन किया जा रहा है, वैसा ही एक विशेष हॉल प्रत्येक विदेशी भाषा के लिए आवश्यक है, ताकि छात्र उस भाषा और संस्कृति को समझ सकें, जिसे उन्होंने अध्ययन करने के लिए चुना है।

समारोह का समापन जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फारसी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर कलीम असगर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने ईरान के दूतावास, इस्लामी गणराज्य ईरान के संस्कृति भवन, सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों, जीर्णोद्धार टीम, विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके कारण जीर्णोद्धार और उद्घाटन को एक शानदार सफलता मिल सकी।

छात्रों, शोधार्थियों और व्यापक समुदाय के लिए अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, नए ईरानोलॉजी हॉल से ईरानी इतिहास, भाषा, साहित्य और सभ्यता के अध्ययन के लिए जेएमआई के शैक्षणिक बुनियादी ढांचे में सुधार की बहुत उम्मीदें है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया